>

Title: Regarding regularization of the services of Shikshamitras in the country.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): महोदया, मैं आपके से सदन का ध्यान ज्ञान का दीप प्रज्जवलित कर रहे देश भर के शिक्षामित्रों, खासकर उत्तराखण्ड राज्य के शिक्षामित्रों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। देहरादून में अपने नियमितीकरण की मांग को लेकर सैकड़ों की संख्या में शिक्षामित्र 28 फरवरी, 2011 को शांतिपूर्वक धरना एवं प्रदर्शन कर रहे थे। राज्य सरकार द्वारा इन पर जमकर लाठियां बरसाई गयीं और इन पर पानी की तेज बौछार कराई गयी, जो बेहद खेदजनक एवं निंदनीय है। शिक्षामित्रों द्वारा गत दस वर्षों से नियमितीकरण की मांग की जा रही है। इन शिक्षामित्रों को नियमित करने के लिए पहले दो वर्षीय बीटीसी प्रशिक्षण का रास्ता निकाला गया था, परन्तु अब एनसीटीई द्वारा जारी नई गाइडलाइन के तहत शिक्षामित्रों को वर्किंग टीचर मानते हुए सीधे नियमित करने की अनुमति दे दी गयी है। इसलिए विभिन्न स्कूलों में कार्यरत शिक्षामित्रों को उनके मूल विद्यालय में ही सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्ति मिलनी चाहिए। जब उत्तराखण्ड के ये शिक्षामित्र लोग अपने नियमितीकरण की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने गए, तो राज्य सरकार ने उन पर लाठियां भजवाई, उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। अपने नियमितीकरण की मांग उनका अधिकार है, परन्तु उन पर लाठियां भंजवाना अन्याय है।

महोदया, मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह उत्तराखण्ड सरकार को निर्देशित करे कि वह राज्य में कार्यरत शिक्षामित्रों के नियमितीकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करे।

सोच बदलो, सितारे बदल जाएंगे, नजर बदलो, नजारे बदल जाएंगे।

किश्तियां बदलने से क्या होता है यारो, दिशा बदलो किनारे बदल जाएंगे।।